राजस्थान समसामयिकी दिसम्बर, 2024

संजीव वेबसाइट से नि:शुल्क डाउनलोड करें
राजस्थान, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिकी (प्रत्येक माह)
साथ ही संजीव वेबसाइट से आप E-Book भी खरीद सकते हैं।
visit us at : www.sanjivprakashan.com

राजस्थान समसामयिकी दिसम्बर, 2024
(Current News from Daily Newspapers)

Newspaper of 4 December, 2024

■ **सलूम्बर एवं डूँगरपुर जिले राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तीकरण पुरस्कार 2024 में सम्मानित हुए—**

3 दिसम्बर, 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राजस्थान के सलूम्बर एवं डूँगरपुर जिलों को राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तीकरण पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है।

उपलब्धि : सलूम्बर जिला प्रशासन ने 'सुगम्य भारत अभियान' के तहत जिले के 1,000 से अधिक सरकारी इमारतों को दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाया तथा डूँगरपुर जिला प्रशासन द्वारा 'नो वन लेफ्ट बिहाइंड' अभियान के तहत 8692 दिव्यांगजनों को पेंशन 5,100 यूडीआईडी कार्ड और 217 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 1,057 दिव्यांग जनों को सहायता प्रदान की गई।

Newspaper of 5 December, 2024

■ **मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु 9 नीतियाँ लॉन्च की—**

4 दिसम्बर, 2024 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास को गति प्रदान करने के लिए 9 नई नीतियों का अनावरण किया, जो निम्न हैं—

राजस्थान एमएसएमई नीति-2024—

इस नीति का उद्देश्य राज्य के एमएसएमई उद्यमों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। इसमें ऋण पर अतिरिक्त 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान, एसएमई एक्सचेंज से धन जुटाने पर ₹ 15 लाख तक की सहायता, क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर पर ₹ 3 लाख तक पुनर्भरण सहायता, विपणन हेतु आयोजनों में ₹ 1.5 लाख तक अनुदान, डिजिटल उपकरणों पर ₹ 50 हजार तक पुनर्भरण और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फीस पर 75% या अधिकतम ₹ 50 हजार तक पुनर्भरण का प्रावधान है।

राजस्थान निर्यात संवर्धन नीति-2024—

इस नीति का लक्ष्य आगामी 5 वर्षों में प्रदेश के निर्यात में ₹ 1.50 लाख करोड़ तक वृद्धि लाना है। इस नीति के तहत निर्यातकों को दस्तावेजीकरण पर 50% या ₹ 5 लाख तक सहायता, अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी पर 75% या ₹ 3 लाख तक अनुदान, सर्टिफिकेशन पर 75% पुनर्भरण (₹ 20 हजार प्रति शिपमेंट व ₹ 3 लाख तक प्रति वर्ष), तकनीकी अपग्रेडेशन पर 75% या ₹ 50 लाख तक सहायता, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फीस पर 75% या ₹ 2 लाख तक पुनर्भरण किया जाएगा।

एक जिला एक उत्पाद नीति (ओडीओपी)—

इस नीति का उद्देश्य विशिष्ट उत्पादों और शिल्पों को बढ़ावा देना है।

इस नीति में नवीन सूक्ष्म उद्यमों को 25% या अधिकतम ₹ 15 लाख एवं लघु उद्यमों को 15% या अधिकतम ₹ 20 लाख तक मार्जिन मनी अनुदान सहायता दी जाएगी। नीति में सूक्ष्म व लघु उद्यमों को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी व सॉफ्टवेयर पर 50% या ₹ 5 लाख तक अनुदान, क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर पर 75% या ₹ 3 लाख तक पुनर्भरण का प्रावधान किया गया है।

एकीकृत क्लस्टर विकास योजना—

इस नीति का उद्देश्य हस्तशिल्प, हथकरघा तथा एमएसएमई क्षेत्र में कार्यशील उद्यमों को वैश्विक बाजार के अनुरूप विकसित करना। इस योजनान्तर्गत राज्य के हस्तशिल्प, हथकरघा एवं सूक्ष्म और लघु उद्यमों के मौजूदा क्लस्टर्स में कॉमन फेसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के माध्यम से प्रशिक्षण आदि सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

AVGC-XR नीति-2024—

इस नीति का उद्देश्य एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रिएलिटी के क्षेत्र में स्थानीय प्रतिभाओं, राज्य की संस्कृति एवं स्थानीय संसाधनों को बढ़ावा देना है। इसमें राज्य में बनने वाली एनिमेशन फिल्मों, गेम्स एवं कॉमिक्स को उत्पादन अनुदान देने का प्रावधान है।

राजस्थान पर्यटन इकाई नीति-2024—

इस नीति का उद्देश्य राज्य में पर्यटन के नए संभावनाशील क्षेत्रों में निवेशकों व उद्यमियों को आकर्षित करना है तथा इस नई नीति में इको टूरिज्म यूनिट, फिल्म सिटी, हेरिटेज रेस्टोरेंट, होटल हाउसिंग, इनडोर/आउटडोर प्ले जोन, एकीकृत पर्यटन विलेज, मोटल/वे-साइड सुविधाएँ, रिसोर्ट हाउसिंग, ग्रामीण पर्यटन इकाई और पर्यटन स्टार्ट-अप्स जैसी नई पर्यटन इकाइयों को जोड़ा गया है। इसमें न्यूनतम ₹ 10 करोड़ का

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

नया निवेश करने वाली पर्यटन इकाई परियोजनाओं को राजकीय भूमि आवंटित किए जाने का प्रावधान किया गया है।

राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024—

इस नीति को वर्तमान अक्षय ऊर्जा नीति, बायोमास एवं वेस्ट टू एनर्जी नीति, ग्रीन हाइड्रोजन नीति के प्रावधानों तथा ऊर्जा भण्डारण के नवीन प्रावधानों को सम्मिलित कर तैयार किया गया है।

इस नीति का लक्ष्य वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को 125 गीगावाट तक बढ़ाना और फ्लोटिंग, रिजर्वायर टॉप और कैनाल टॉप सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देना है।

राजस्थान राज्य खनिज नीति—

इस नीति का उद्देश्य राजस्व में बढ़ोतरी और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने, खनिज ब्लॉक्स की प्री-एम्बेडेड अनुमतियों के साथ नीलामी, जनजातीय क्षेत्रो में बिड सिक्योरिटी आधी करने और पोस्ट-ऑक्शन सेल को मजबूत बनाने के प्रावधान किए गए हैं।

राजस्थान एम-सेण्ड नीति-2024—

इस नीति का उद्देश्य एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना और बजरी के सस्ते विकल्प के रूप में एम-सेण्ड के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल देना है। एम-सेण्ड इकाई की स्थापना के लिए 3 वर्ष का अनुभव, ₹ 3 करोड़ की नेटवर्थ व ₹ 3 करोड़ के टर्नओवर की बाध्यता समाप्त की गई है।

Newspaper of 8 December, 2024

- **7 दिसम्बर, 2024 को उदयपुर की उड़न परी अन्तर्राष्ट्रीय धावक हमीदा बानो का निधन हो गया। हमीदा बानो ने वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों में 4×400 मी. रिले दौड़ में रजत पदक जीता था। वह एथलेटिक्स में अन्तर्राष्ट्रीय पदक जीतने वाली उदयपुर की पहली महिला एथलीट थीं।**
- **उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान—**

7 दिसम्बर, 2024 को राजस्थान में 39 जिलों में जन्म से 5 वर्ष तक के लगभग 87.50 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने हेतु 'उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान' का राज्य स्तरीय शुभारम्भ किया गया।

भारत में जनवरी 2011 के पश्चात् विगत 13 वर्षों में कोई भी पोलियो का नया केस नहीं पाया गया है। मार्च, 2014 में भारत को पल्स पोलिया मुक्त होने का प्रमाण पत्र मिल चुका है।

- **7 दिसम्बर, 2024 को टीबी मुक्त भारत के लिए 100 दिवसीय अभियान का राज्य स्तरीय शुभारम्भ किया गया। यह अभियान राज्य के 5 जिलों – बारां, कोटा, झालावाड़, हनुमानगढ़ और राजसमंद जिलों में संचालित किया जा रहा है।**

Newspaper of 12 December, 2024

- **राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट—**

9-11 दिसम्बर, 2024 को जयपुर एक्जीबिशन कन्वेंशन सेंटर, सीतापुरा में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन हुआ।

इसके आयोजक राजस्थान सरकार के तत्वावधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (BIP) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (RIICO) रहे तथा नोडल विभाग निवेश संवर्धन ब्यूरो (BIP) रहा। इस समिट की टैगलाइन Replete, Responsible, Ready रही।

इस इन्वेस्टमेंट समिट में 32 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें 17 देशों की भागीदारी 'पार्टनर कंट्री' के रूप में रही।

Newspaper of 13 December, 2024

- **12 दिसम्बर, 2024 को अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार उस्ताद पेम्पे खान का निधन हो गया। जैसलमेर के पेम्पे खान पद्मश्री साकार खान मांगणियार के छोटे भाई थे। राजस्थान रत्न और मरुधर कलकत्ता पुरस्कार से सम्मानित पेम्पे खान ने कामायचा के साथ मुरली और शहनाई वादन के लिए ख्याति अर्जित की थी।**
- **राजस्थान को बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन अवॉर्ड मिला—**

12 दिसम्बर, 2024 को ट्रेवल प्लस लीजर के पीपुल्स च्वाइस सर्वे अवॉर्ड में राजस्थान को देश का सबसे बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन का खिताब दिया गया है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में देश की 68 प्रतिशत हैरिटेज संपत्तियाँ हैं।

Newspaper of 14 December, 2024

- **राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन अजमेर में—**

13 दिसम्बर, 2024 को 'राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन' अजमेर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना', 'ऊँट संरक्षण एवं विकास मिशन' व 100 गौशालाओं में गौ काष्ठ मशीन उपलब्ध करवाने के कार्य का शुभारम्भ किया।

Newspaper of 15 December, 2024

- **राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में राजसखी पोर्टल लॉन्च हुआ—**

14 दिसम्बर, 2024 को 'राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन'

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

उदयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 45 लाख स्वयं सहायता समूहों के लिए 'राजसखी पोर्टल' का शुभारम्भ किया।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की इस ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की सुविधा से स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिला उद्यमी अपने उत्पाद ऑनलाइन बेच सकेंगी।

■ **मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना का शुभारम्भ—**

14 दिसम्बर, 2024 को महिला सम्मेलन के दौरान 'मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना' का भी शुभारम्भ किया गया।

इस योजना के तहत आँगनबाड़ी केन्द्रों में 3-6 वर्ष के बच्चों को सप्ताह में तीन दिन (मंगलवार, गुरुवार व शनिवार) स्किम्ड मिल्क पाउडर से तैयार गरम मीठा दूध उपलब्ध कराया जाएगा।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत दी जाने वाली ₹ 5000 की राशि को बढ़ाकर ₹ 6500 कर दिया है।

■ **मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना—**

इस योजना के तहत प्रदेश में प्रथमत: 5-5 लाख दुधारू गाय/भैंस, 5-5 लाख भेड़/बकरी तथा 1 लाख उष्ट्र वंशीय पशु (ऊँट) का बीमा करते हुए बीमा कवरेज प्रदान किया जाना प्रस्तावित है।

इस योजना में दुधारू गौ, भैंस व ऊँट, (नर व मादा) के लिए अधिकतम ₹ 40 हजार (प्रति पशु) तथा मादा बकरी व भेड़ के लिए ₹ 4 हजार (प्रति पशु) मूल्य निर्धारित किया गया है।

ऊँट संरक्षण एवं विकास मिशन—

राज्य पशु ऊँट की घटती संख्या को थामने और संरक्षण के लिए शुरू किए गए इस मिशन के तहत राज्य सरकार द्वारा ऊँटनी के प्रसव (तोडिया के जन्म) पर दी जाने वाली सहायता राशि ₹ 10,000 से बढ़ाकर ₹ 20,000 (दो किस्तों में) कर दी गई है।

Newspaper of 16 December, 2024

■ **पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना का शिलान्यास—**

15 दिसम्बर, 2024 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना' का शिलान्यास डीग में किया।

गिरिराज जी परिक्रमा पथ के विकास को चार जोन में बाँटकर विकसित करने की योजना बनाई है।

■ **प्रदेश में पहली बार एयर लिफ्ट कर अंगों का प्रत्यारोपण किया गया—**

15 दिसम्बर, 2024 को राज्य में इस वर्ष का 13वाँ अंगदान किया गया। इस क्रम में प्रदेश मे पहली बार एयर एम्बुलेंस से अंगों को एसएमएस अस्पताल पहुँचाकर सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया गया।

■ **राजस्थान सरकार ने भरतपुर एवं बीकानेर विकास प्राधिकरण के गठन की अधिसूचना जारी की—**

15 दिसम्बर, 2024 को शहरी विकास एवं आवासन विभाग ने राजस्थान सरकार के प्रदेश के बड़ी आबादी वाले नगरीय क्षेत्रों में सुव्यवस्थित एवं नियोजित विकास के लिए भरतपुर एवं बीकानेर में विकास प्राधिकरण के गठन की अधिसूचना जारी की।

बीकानेर विकास प्राधिकरण में नगर विकास न्यास बीकानेर के वर्तमान क्षेत्र के अलावा नापासर व देशनोक तथा आस-पास के 185 गाँव शामिल किए जाएँगे तथा भरतपुर विकास प्राधिकरण में नगर विकास न्यास भरतपुर के वर्तमान क्षेत्र के साथ-साथ 209 गाँव शामिल किए जाएँगे।

Newspaper of 18 December, 2024

■ **प्रधानमंत्री ने नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा (एनजीबीआई) लिंक परियोजना के तीन पैकेज का शिलान्यास किया—**

17 दिसम्बर, 2024 को दादिया (जयपुर) में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की सौगात दी। संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना को राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के रूप में क्रियान्वित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने परियोजना के प्रथम चरण में पेयजल के लिए कूल नदी पर रामगढ़ बैराज, पार्वती नदी पर महलपुर बैराज और नवनेरा बाँध में संगृहीत जल के उपयोग हेतु नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा (एनजीबीआई) लिंक परियोजना के तीन पैकेज के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

इन पैकेज में ₹ 9416.70 करोड़ की लागत से नवनेरा बैराज से गलवा बाँध होते हुए बीसलपुर व ईसरदा बाँध तक जल प्रत्यावर्तन के लिए नहर तंत्र, पंपिंग स्टेशन एवं पाइपलाइन का निर्माण कार्य किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने इस परियोजना के प्रथम चरण के अन्तर्गत कालीसिंध नदी पर ₹ 1069 करोड़ की लागत से निर्मित नवनेरा बैराज का लोकार्पण भी किया।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

Newspaper of 19 December, 2024

■ **मुकुट मणिराज को राजस्थानी भाषा का साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024 मिला—**

18 दिसम्बर, 2024 को साहित्य अकादमी द्वारा 21 भाषाओं के लिए 'साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024' की घोषणा की गई। इन पुरस्कारों के तहत राजस्थानी भाषा के लिए वर्ष 2024 का 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' कोटा के मुकुट मणिराज को दिए जाने की घोषणा की गई है।

उन्हें यह पुरस्कार उनकी काव्य कृति 'गाँव अर अम्मा' के लिए प्रदान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 का साहित्य अकादमी पुरस्कार डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित को उनकी कृति 'पळकती प्रीत' के लिए प्रदान किया गया था।

■ **राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. मधुकर गुप्ता ग्लोबल इलेक्टोरल मैनेजमेंट अवॉर्ड से सम्मानित—**

राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. मधुकर गुप्ता को प्रतिष्ठित 'वैश्विक चुनाव प्रबंधन पुरस्कार' (Global Electroal Management Award) से सम्मानित किया गया है।

उन्हें यह पुरस्कार पारदर्शी, समावेशी एवं गुणवत्ता पूर्ण चुनाव प्रबंधन करने में असाधारण योगदान देने हेतु प्रदान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. मधुकर गुप्ता को वर्ष 2023 मे भी 'इलेक्शन कमिश्नर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

Newspaper of 22 December, 2024

■ **शिल्पग्राम उत्सव 2024 का शुभारम्भ हुआ—**

21 दिसम्बर, 2024 को उदयपुर स्थित पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के तत्वावधान में लोक संस्कृति के संगम का महाकुम्भ विश्वप्रसिद्ध शिल्पग्राम उत्सव का शुभारम्भ हुआ।

इस 10 दिवसीय आयोजन का शुभारम्भ राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने किया। इस वर्ष समारोह की थीम 'लोक के रंग, लोक के संग' थी।

Newspaper of 23 December, 2024

■ **22 दिसम्बर, 2024 को 'गौ स्नेह पात्र एवं पक्षी दाना अभियान' का शुभारम्भ राज्य के पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत द्वारा किया गया। इस अभियान का आयोजन उदयपुर एनिमल फीड (हैप्पी एंड चॉइस वेलफेयर सोसायटी) संस्था द्वारा किया जा रहा है।**

Newspaper of 24 December, 2024

■ **राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर को दूसरी बार नस्ल संरक्षण पुरस्कार मिला—**

हाल ही में राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर को अश्व संरक्षण में बेहतरीन कार्य करने हेतु लगातार दूसरी बार 'नस्ल संरक्षण पुरस्कार' प्रदान किया गया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की ओर से राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो करनाल द्वारा यह पुरस्कार प्रतिवर्ष राष्ट्रीय किसान दिवस (23 दिसम्बर, 2024) के उपलक्ष्य में दिया जाता है।

इस वर्ष यह पुरस्कार गुजरात के हलारी अश्व के संरक्षण के लिए मिला है। विगत वर्ष यह पुरस्कार मारवाड़ी घोड़ों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए बीकानेर को ही मिला था।

Newspaper of 25 December, 2024

■ **कंज्यूमर केयर कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ—**

25 दिसम्बर, 2024 को राज्य स्तरीय कंज्यूमर केयर कॉन्फ्रेंस का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, झालाना डूंगरी (जयपुर) में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर किया गया। इसके साथ ही उपभोक्ता न्याय में मीडिएशन का शुभारम्भ किया गया। इसके तहत अब उपभोक्ता आयोगों में कार्यवाही के किसी भी स्तर पर मीडिएशन की व्यवस्था लागू होगी।

Newspaper of 26 December, 2024

■ **कोटा महोत्सव 2024 : 23-25 दिसम्बर, 2024 को जिला प्रशासन कोटा द्वारा तीन दिवसीय 'कोटा महोत्सव 2024' का आयोजन किया गया। महोत्सव के तहत कोटा चंबल रिवर फ्रंट पर फूड कोर्ट, क्राफ्ट बाजार, चंबल महा आरती, लोकल टेलेंट हंट कार्यक्रम, फैशन शो, पेंटिंग वर्कशॉप, आतिशबाजी आदि इवेंट आयोजित किए गए।**

Newspaper of 28 December, 2024

■ **सुपोषित माँ अभियान का तीसरा चरण शुरू हुआ—**

27 दिसम्बर, 2024 को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर कोटा-बूँदी को देश में पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा के आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित करने वाला 'सुपोषित माँ अभियान' का तीसरा चरण शुरू हुआ।

इस अभियान के तहत ऐसी गर्भवती महिलाओं को चिह्नित

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

किया जाता है, जिनका वजन 45 किलो से कम है। उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टर्स व न्यूट्रिशनिस्ट की सलाह पर 12.5 किग्रा. की पोषण किट प्रदान की जाती है।

गौरतलब है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर यह अभियान 29 फरवरी, 2020 को शुरू हुआ था।

Newspaper of 29 December, 2024

■ **पूर्ववत सरकार द्वारा बनाए गए 17 नवीन जिलों एवं 3 नवीन संभागों में से राजस्थान के 3 नए संभाग और 9 जिलों को निरस्त किया गया—**

28 दिसम्बर, 2024 को राजस्थान राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में पिछली सरकार के समय में नवीन गठित 17 जिलों और नवीन 3 संभागों का पुनः निर्धारण कर उक्त निर्णय लिया है। राज्य मंत्रिमंडल के इस निर्णय के बाद अब प्रदेश में कुल 7 संभाग और 41 जिले होंगे।

निरस्त किए गए नवसृजित 9 जिले : अनूपगढ़, दूदू, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, नीमकाथाना, सांचौर व शाहपुरा।

निरस्त किए गए नवसृजित 3 संभाग : बाँसवाड़ा, पाली और सीकर।

इसके अलावा आचार संहिता से ठीक पहले घोषित 3 नए जिलों – मालपुरा, सुजानगढ़ और कुचामन सिटी को भी निरस्त करने का निर्णय राज्य मंत्रिमंडल ने लिया है।

8 नवसृजित जिले जो यथावत रखे गए हैं : फलौदी, बालोतरा, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन और सलूम्बर।

समीक्षा के लिए गठित हुई थीं दो समितियाँ—

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने नवीन सृजित जिलों एवं संभागों की समीक्षा के लिए राज्य सरकार ने एक मंत्रिमंडलीय उप-समिति और सेवानिवृत्त आईएएस ललित के. पवार की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था।

राजस्थान में अब पूर्ववत सात संभाग – भरतपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा, बीकानेर, उदयपुर, जोधपुर रहेंगे।

Newspaper of 31 December, 2024

■ **संजू योगी को पेप्सिको रिवॉल्यूशनरी अवॉर्ड—**

हाल ही में राजस्थान की कृषि उद्यमी संजू योगी को पेप्सिको इंडिया के पहले 'रिवॉल्यूशनरी कॉन्क्रेंस एवं अवॉर्ड 2024' से सम्मानित किया गया।

राजस्थान की संजू योगी को लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ने और सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों को लागू करने की श्रेणी में रजत पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

■ **मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना—**

हाल ही में राज्य के शहरी क्षेत्रों में शुरू हुई 'मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना' में जरूरतमंद एवं असहाय परिवार के असंगठित श्रमिकों के साथ भवन निर्माण श्रमिक, हस्तशिल्प श्रमिक, गिग वर्कर, ट्रांसपोर्ट वर्कर, केयर वर्कर, सफाई श्रमिक, घरेलू श्रमिक आदि को विशेष अल्पावधि ऋण उपलब्ध करवाकर आर्थिक संबल दिया जाएगा। योजना के तहत लाभार्थी को बैंक द्वारा बिना किसी गारंटी अथवा प्रक्रिया शुल्क के 80 हजार तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा।

■ **मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना में दुर्लभ बीमारी से पीड़ित 18 वर्ष तक के बच्चों को ₹ 50 लाख तक का उपचार उपलब्ध कराया जाएगा और उनकी देखभाल के लिए ₹ 5 हजार प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अन्तर्गत पहले चरण में जेके लोन अस्पताल और एम्स जोधपुर को इस योजना में इलाज के लिए अधिकृत किया गया है।**

■ **मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के तहत लाभार्थी अंशदाताओं को मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन के अतिरिक्त 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर ₹ 3 हजार मासिक पेंशन दी जाएगी।**

■ **हाल ही में राज्य में मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र का शुभारम्भ हुआ है। इन केन्द्रों पर नागरिक, संस्थान, वाणिज्यिक उद्यम आदि पहले उपयोग हो चुकी वस्तुएँ-कपड़े, जूते, किताबें, खिलौने, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि जमा कर सकेंगे, जहाँ से जरूरतमंद व्यक्ति अपनी आवश्यकतानुसार वांछित सामान प्राप्त कर सकेंगे।**

■ **जैसलमेर के पत्थरों से देश का पहला डिजिटल म्यूजियम तैयार हुआ—**

हाल ही में भारत का पहला 'अभय प्रभावना' डिजिटल म्यूजियम महाराष्ट्र के पुणे जिले में मुंबई-पुणे राजमार्ग पर पारवड़ी क्षेत्र में इंद्रयानी नदी के किनारे बनकर तैयार हो गया है।

इस म्यूजियम के परिसर में चित्तौड़गढ़ दुर्ग के जैसी जैसलमेर के पत्थरों से तैयार भव्य प्रतिकृति यानी रेप्लिका है।

यह म्यूजियम जैन धर्म के इतिहास और दर्शन पर आधारित है। 2200 वर्ष पुरानी पाले जैन गुफाओं के करीब स्थित यह म्यूजियम 3.5 लाख वर्गफीट में फैला है।

इस डिजिटल म्यूजियम का निर्माण फिरोदिया इंस्टीट्यूट ऑफ फिलॉसफी, कल्चर एंड हिस्ट्री द्वारा किया गया है।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

■ **राजस्थान में 9 नए केन्द्रीय विद्यालय खुलेंगे—**

केन्द्र सरकार ने राजस्थान में 9 नए केन्द्रीय विद्यालय खोलने को मंजूरी दी है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने देश में कुल 85 केन्द्रीय विद्यालय और 28 नए नवोदय विद्यालय खोलने की मंजूरी दी है। इनमें से निम्न 9 केन्द्रीय विद्यालय राज्य के 7 जिलों में खोले जाएँगे—

स्थान जहाँ केन्द्रीय विद्यालय खुलेंगे : एएफएस फलौदी (जोधपुर), बीएसएफ सतराना, बीएसएफ श्रीकरणपुर (श्रीगंगानगर), हिंडौन सिटी (करौली), मेड़तासिटी (नागौर), राजसमंद, राजगढ़ (अलवर), भीम (राजसमंद), महवा (दौसा)।

■ **सरस राज सखी राष्ट्रीय मेला आयोजित किया गया—**

14-30 दिसम्बर, 2024 को महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के प्रयासों के तहत 'सरस राज सखी राष्ट्रीय मेला' जवाहर कला केन्द्र एवं इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, जयपुर में आयोजित किया गया। इस मेले का आयोजन ग्रामीण विकास विभाग के तहत राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा किया गया।

■ **मरु उड़ान अभियान—**

हाल ही में बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी द्वारा नया अभियान 'मरु उड़ान' प्रदेश में शुरू किया गया। इसकी सफलता को देखते हुए प्रदेश के महिला एवं बाल विभाग ने इस अभियान को पूरे प्रदेश में लागू करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि टीना डाबी द्वारा बाड़मेर में महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'मरु उड़ान' अभियान 13 नवम्बर, 2024 को शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाना है।

■ **गांधीसागर में परमाणु रिएक्टर लगाने को मंजूरी मिली—**

हाल ही में रावतभाटा के सीमावर्ती कस्बे और चम्बल नदी घाटी परियोजना के बड़े बाँध गांधीसागर में नाभिकीय ऊर्जा निगम ने परमाणु रिएक्टर लगाए जाने की मंजूरी दे दी है। नाभिकीय ऊर्जा निगम और एनटीपीसी की यह संयुक्त परियोजना होगी। इसके लिए रावतभाटा से 53 किलोमीटर दूर बासी में परमाणु ऊर्जा परियोजना के लिए जल्द सर्वे होगा।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 (राजस्थान के संदर्भ में)

- हाल ही में भारत की वन स्थिति रिपोर्ट, 2023 जारी कर दी गई है। इस 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट' (India State of Forest Report 2023-ISFR 2023) के अनुसार राजस्थान में वनावरण 16,548.21 वर्ग किमी. है। यह राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 4.84 प्रतिशत है।

वर्ग	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)	परिकलित क्षेत्र का %
अति सघन वन (VDF)	223.20	0.07
मध्यम सघन वन (MDF)	4,237.41	1.24
खुले वन (OF)	12,087.60	3.53
कुल	**16,548.21**	**4.84**
झाड़ियाँ (Scrub)	5,476.75	1.60

- **सर्वाधिक वन क्षेत्र—**
  1. उदयपुर (2,766.30 वर्ग किमी.)
  2. अलवर (1,198.74 वर्ग किमी.)
  3. प्रतापगढ़ (996.86 वर्ग किमी.)
  4. चित्तौड़गढ़ (988.08 वर्ग किमी.)
  5. बारां (975.13 वर्ग किमी.)
- **सर्वाधिक अति सघन वन (VDF) वाले जिले—**
  1. अलवर (61.72 वर्ग किमी.)
  2. उदयपुर (61.27 वर्ग किमी.)
  3. सवाई माधोपुर (37.04 वर्ग किमी.)
- **सर्वाधिक मध्यम सघन वन (MDF) वाले जिले—**
  1. उदयपुर (1,123.72 वर्ग किमी.)
  2. प्रतापगढ़ (537.90 वर्ग किमी.)
  3. अलवर (335.28 वर्ग किमी.)
- **सर्वाधिक खुले वन (OF) वाले जिले—**
  1. उदयपुर (1,581.31 वर्ग किमी.)
  2. बारां (821.86 वर्ग किमी.)
  3. अलवर (801.74 वर्ग किमी.)
- **सर्वाधिक झाड़ियों वाले जिले—**
  1. पाली (453.45 वर्ग किमी.)
  2. अलवर (320.99 वर्ग किमी.)
  3. जयपुर (318.60 वर्ग किमी.)
- अभिलेखित वन क्षेत्र के अंदर वनावरण (ग्रीन वॉश)—
  - प्रदेश में आरएफए (Recorded Forest Area) के अंदर अति सघन वन 216.92 वर्ग किमी. (1.71%) है।
  - प्रदेश में आरएफए के अंदर मध्यम सघन वन (MDF) 3,892.73 वर्ग किमी. (30.64%) है जबकि खुले वन (OF) का क्षेत्रफल 8,596.49 वर्ग किमी. (67.65%) है।
- प्रदेश में आरएफए के अंदर झाड़ियों का क्षेत्रफल 2,841.34 वर्ग किमी. तथा गैर-वन का क्षेत्रफल 20,415.95 वर्ग किमी. है। आईएसएफआर 2021 में प्रदेश में अभिलेखित वन क्षेत्र (RFA) के अंदर का क्षेत्रफल 35,963.43 वर्ग किमी. था।

आरएफए के बाहर वनावरण—

अभिलेखित वन क्षेत्र के बाहर वनावरण (ग्रीन वॉश)

VDF	MDF	OF	Total
6.28	344.68	3491.11	3842.07
0.16%	8.97%	90.87%	

- **झाड़ियाँ :** 2,635.4 वर्ग किमी.
- **गैर-वन का क्षेत्रफल :** 2,99,798.08 वर्ग किमी. आईएसएफआर 2021 में प्रदेश में अभिलेखित वन क्षेत्र के बाहर का क्षेत्रफल 3,06,275.56 वर्ग किमी. था।
- **टीओएफ (Trees Outside Forests) :** प्रदेश में वनों के बाहर वृक्षावरण 3,156.16 वर्ग किमी. है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 14.33% है।
- राज्य के 22,024.96 वर्ग किमी. क्षेत्र में वनावरण व झाड़ियाँ हैं।
- प्रदेश के सर्वाधिक 8,400.21 वर्ग किमी. क्षेत्र में उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन (Northern Dry Mixed Deciduous Forest) पाए जाते हैं, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 38.15% है।
- प्रदेश के वनावरण का 22,024.96 वर्ग किमी. क्षेत्र अग्नि प्रवण (Fire Prone) वर्ग के अन्तर्गत आता है।
- प्रदेश के वनावरण में अत्यधिक अग्नि प्रवण (Extremely Fire Prone) वन 92.64 वर्ग किमी. क्षेत्र में पाए जाते हैं, जो कुल वनावरण का 0.42% है।
- प्रदेश में अभिलेखित वन क्षेत्र में सर्वाधिक पाई जाने वाली वृक्ष प्रजाति धोक/ढोक के वृक्ष (Anogeissus pendula) की है।
- प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में सर्वाधिक संख्या में पाए जाने वाले वृक्ष विलायती बबूल (Prosopis Juliflora) के हैं। इसके बाद राज्य में खेजड़ी (Prosopis Cineraria) के वृक्ष सर्वाधिक संख्या में पाए जाते हैं।
- राजस्थान में एनटीएफपी (Non-Timber Forest Products) प्रजाति के वृक्षों में सर्वाधिक संख्या पलाश (Butea monosperma) के वृक्षों की है।
- प्रदेश में आरएफए के अंदर पाई जाने वाली प्रमुख आक्रामक प्रजाति चकौड़ा/सेन्ना तोरा (Cassia tora/Senna tora) की है। इसके बाद लैंटाना कैमरा का स्थान है।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

संजीव®

49 वर्षों से आपका विश्वसनीय

आपकी सफलता में सदैव आपका सहयोगी

IAS गौरव बुडानिया की प्रसिद्ध पुस्तकें

राजस्थान में सर्वत्र उपलब्ध

RPSC एवं RSSB द्वारा अब तक आयोजित परीक्षाओं के सभी महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश

संजीव प्रकाशन की अन्य उपयोगी पुस्तकें

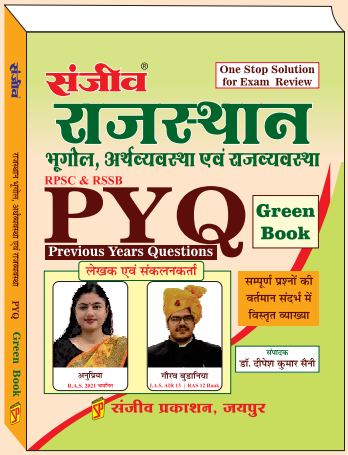

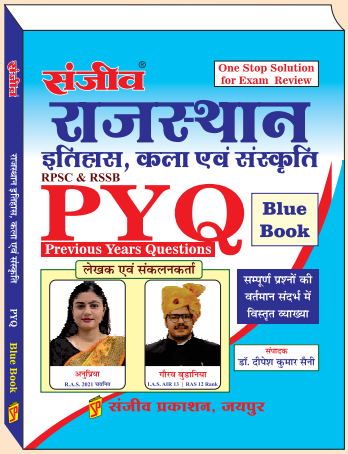

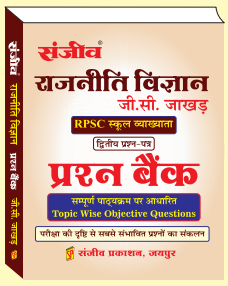

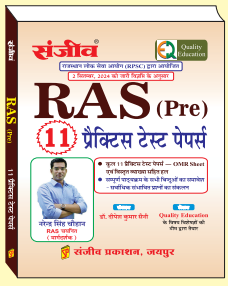

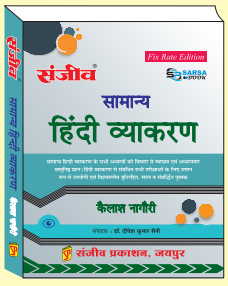

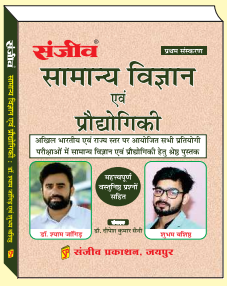

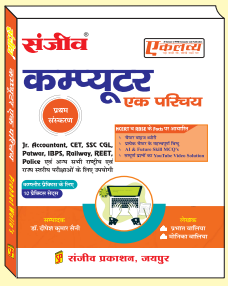

संजीव प्रकाशन

Join Our Telegram

संजीव Telegram चैनल एवं Website से परीक्षा उपयोगी पाठ्य सामग्री नि:शुल्क प्राप्त करें। साथ ही संजीव वेबसाइट से आप Books एवं E-Books भी खरीद सकते हैं।

प्रकाशक-संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com